मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 241, मुंबई, शनिवार, 13 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

दाऊद के गुर्गे की पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी

इसमें क्रिकेटर हार्दिक पंड्या और मुनाफ पटेल का भी नाम

मुंबई। दाऊद इब्राहिम के कथित गुर्गे रियाज भाटी की पत्नी ने अपने पति और देश के कई हाईप्रोफाइल लोगों के खिलाफ रेप का आरोप लगाया है। उन्होंने मुंबई के सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में 24 सितंबर को एक शिकायत दर्ज करवाई है। हालांकि, पुलिस ने अब तक उनकी शिकायत पर FIR नहीं दर्ज की है। महिला ने जिन लोगों पर आरोप लगाया है, उनमें क्रिकेटर मुनाफ पटेल और हार्दिक पंड्या, कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला और पृथ्वीराज कोठारी नाम का शख्स शामिल है। महिला ने अपनी शिकायत में चारों के नाम के साथ किसी जगह का नाम या तारीख का जिक्र नहीं किया है, जहां उनके साथ रेप हुआ। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

राज्य में डीजल-पेट्रोल की दरों में कमी क्यों नहीं?

मुंबई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से लगातार पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा हो रहा था, कुछ दिनों पहले केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क कम किया, इसके साथ भाजपा शासित राज्यों में पेट्रोल और डीजल की दर कम की गई। उन्होंने सवाल किया कि केंद्र सरकार की कर में कटौती के बाद राज्य सरकार पेट्रोल-डीजल की दरों में कमी क्यों नहीं कर रही है? उन्होंने कोल्हापुर में राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए अपना विरोध जताया। पाटिल ने कहा कि राज्य के सत्ताधारी दल पेट्रोल-डीजल पर टैक्स कम करने के लिए अलग-अलग तरीके से आंदोलन कर रहे हैं। यह सब एक स्टंट है। अब केंद्र ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कमी की है। इससे पेट्रोल 5 रुपए और डीजल 10 रुपए प्रति लीटर सस्ता हुआ। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

बलरामपुर में सलमान खुर्शीद का फूंका पुतला कांग्रेस नेता की विवादित किताब पर आक्रोश

बलरामपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद द्वारा लिखी गई किताब 'Sunrise over Ayodhya Nationhood in our Times' को लेकर अब पूरे देश में बवाल खड़ा हो गया। इस बवाल की आग बलरामपुर जिले तक पहुंच चुकी है। किताब में वर्णित आपत्तिजनक तथ्यों से आक्रोशित विश्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने आज अपर जिलाधिकारी से मुलाकात कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा और नगर के भगवतीगंज चौराहे पर किताब के लेखक कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद का पुतला भी फूंका। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

एसटी के साथ अब निजी बसें भी बंद

पुणे। एसटी कर्मचारियों की हड़ताल के चलते परिवहन निगम की बसें बंद हैं। एसटी के हड़ताली कर्मियों द्वारा निजी बसों में तोड़फोड़ करने से नाराज अब पुणे में निजी बसें भी बंद रहेंगी। पुणे बस एसोसिएशन ने यह निर्णय इसलिए लिया है क्योंकि सरकार से उन्हें उचित समर्थन नहीं मिल रहा है। आरोप है कि परिवहन मंत्री द्वारा किया गया वादा पूरा नहीं किया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

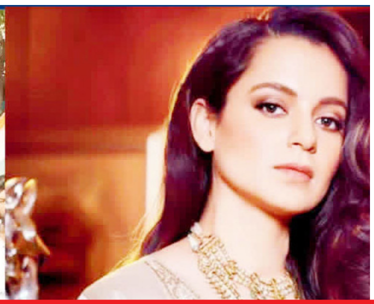

कंगना रनोट के 'भीख' वाले बयान पर बवाल

पद्म पुरस्कार वापस लेने और गिरफ्तारी की उठ रही मांग

मुंबई। एक्ट्रेस कंगना रनोट के भीख वाले बयान पर राजनीति गमार्ती जा रही है। कंगना के खिलाफ लगातार विरोध के स्वर फूट रहे हैं। लोग राष्ट्रपति से कंगना रनोट का पद्म पुरस्कार वापस लेने की गुहार लगा रहे हैं। तो वहीं एनसीपी नेता नवाब मलिक ने तो उन्हें गिरफ्तार करने की भी मांग की है। बता दें कि कंगना ने हाल ही में एक टीवी कार्यक्रम में बयान दिया था कि भारत को असली आजादी 2014 में मिली जब पीएम नरेंद्र मोदी सत्ता में आए, 1947 में मिली आजादी तो भीख थी। आनंद शर्मा ने तीन ट्वीट कर लिखा, 'निंदनीय और पूरे देश को चौंकाने वाला। सुश्री कंगना रनोट का बयान महात्मा गांधी, पंडित नेहरू और सरदार पटेल जैसे साहसी स्वतंत्रता सेनानियों और सरदार भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और कई अन्य क्रांतिकारियों के बलिदान का अपमान करता है। उनसे पद्म सम्मान तुरंत वापस ले लेना चाहिए।' कंगना की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने कहा, 'मैं मांग करता हूं कि कंगना रनोट को अपने बयान के लिए सभी देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि इससे हमारे स्वतंत्रता आंदोलन और स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान हुआ है। भारत सरकार को ऐसी महिला से पद्मश्री सम्मान वापस लेना चाहिए जिसने महात्मा गांधी, सरदार पटेल, सुभाष चंद्र बोस, पंडित नेहरू, सरदार भगत सिंह का अपमान किया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

यूएपीए पर सुनवाई

कुछ वकीलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों के खिलाफ त्रिपुरा पुलिस की एक अविवेकपूर्ण कार्रवाई ने देश में नई बहस को जन्म दे दिया है। दरअसल, इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून, यानी यूएपीए के तहत कई धाराओं में मुकदमे दर्ज कर उसने सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों से इन सबके बारे में सूचनाएं दरियाफ्त की हैं। इस कार्रवाई के विरुद्ध और इस कानून के खिलाफ भी फरियादी अब देश की आला अदालत में पहुंच गए हैं, जहां उनकी शिकायतों को सुनने का भरोसा प्रधान न्यायाधीश ने दिया है। यह पूरा प्रकरण त्रिपुरा से सटे बांग्लादेश में दुर्गापूजा के दौरान हुई हिंसा से जुड़ा है, जिसकी प्रतिक्रिया बाद में त्रिपुरा में भी देखने को मिली। विडंबना देखिए कि दोनों जगह, दो धर्मों से जुडे़ लोगों की भूमिका बिल्कुल बदली हुई थी। दोनों के अनुयायी एक जगह पीड़ित, तो दूसरी जगह हमलावर के रूप में देखे गए। यकीनन, ऐसी वारदातें सभ्य समाज के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकतीं और दोनों जगहों पर घटी घटनाएं पुलिस की लापरवाही और उसकी निष्पक्षता को कठघरे में खड़ी करती हैं। त्रिपुरा पुलिस की ताजा कार्रवाई का मसला चूंकि सर्वोच्च न्यायालय के सामने है, इसलिए हम इसकी तफसील में गए बिना उस प्रवृत्ति पर टिप्पणी करेंगे, जो इन दिनों देश के तमाम राज्यों की पुलिस और केंद्रीय जांच एजेंसियों के चरित्र को गहरे प्रभावित कर रही है। अपनी अक्षमता छिपाने के लिए वे धड़ल्ले से उन्हीं लोगों का शिकार करने लगी हैं, जो उनकी कार्यशैली, सांविधानिक कर्तव्यहीनता पर सवाल खड़े करते हैं, बल्कि लोक प्रहरी की भूमिका भी निभाते हैं। इसकी तस्दीक इस एक तथ्य से की जा सकती है कि इस कानून के तहत दर्ज हजारों मुकदमों में से दो प्रतिशत से भी कम मामले अदालत में ठहर पाते हैं। पुलिस मुकदमे तो दर्ज कर लेती है, मगर उसके पास ठोस सुबूत नहीं होते। साफ है, ऐसे मुकदमों के पीछे कई बार जागरूक लोगों को डराने की मंशा होती है, या फिर सत्तासीन आकाओं को प्रसन्न करने का मकसद होता है। सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वकील प्रशांत भूषण की इस अपील में दम है कि अदालत यूएपीए की उन धाराओं पर जरूर गौर करे, जो नागरिकों को संविधान से मिली अभिव्यक्ति की आजादी को कमतर करती हैं। इसमें कोई दोराय नहीं हो सकती कि यही वह महत्वपूर्ण अधिकार है, जो देश के नागरिकों को अपने शासकों को जिम्मेदार बनाने के लिए उनसे सवाल पूछने, नाइत्तफाकी रखने, बल्कि मयार्दा के दायरे में उनकी तीखी आलोचना का अधिकार देता है। दुर्योग से देश में आज भी ब्रिटिश दौर के कई कानून बने हुए हैं, जबकि खुद ब्रिटिश लोकतंत्र ने अपने यहां उनसे पिंड छुड़ा लिया है। हमारी न्यायपालिका यदि मुकदमों के बोझ से हांफ रही है, तो उसमें सच्चे-झूठे मामलों का बड़ा योगदान है। वक्त आ गया है कि अब निरर्थक कानूनों से मुक्ति पाई जाए, और न्यायपालिका एक ऐसा तंत्र खड़ा करे, जो फर्जी मुकदमे दर्ज करने वाले पुलिस अफसरों को हतोत्साहित कर सके। इससे असली अपराधी तो सलाखों के पीछे भेजे जाएंगे ही, न्याय के आसन पर बैठे न्यायाधीशों को किसी को रिहा करते वक्त यह मलाल नहीं होगा कि एक निरपराध नाहक ही इतने साल जेल में रहा। लोकतंत्र और न्याय, दोनों का तकाजा है कि यूएपीए जैसे मुकदमों के साथ पुलिस की जवाबदेही भी तय हो।

अफगानिस्तान पर अनिश्चितता कायम

पाकिस्तान पर न दुआ का असर होता है, न दवा का... अफगान नागरिकों पर हो रहे जुल्म से भी वह पसीज नहीं रहा है... वह खुद आग का दरिया बना हुआ है और दूसरों को भी उसमें बार-बार झुलसाता रहता है...

अफगानिस्तान की जो कहानी करीब चार दशक पहले तत्कालीन सोवियत संघ की फौज के आने के साथ शुरू हुई थी, उसकी पटकथा भले बदलती रही, लेकिन भूमिका एक ही है। पाकिस्तान आग का एक दरिया है और अफगानिस्तान के लिए इसमें से डूबकर जाना है। फिर चाहे वह अमेरिका हो, चीन हो, भारत या अन्य कोई देश। अफगानिस्तान के मामले में तमाम मुल्कों के लिए पाकिस्तान या तो रास्ते का पत्थर है या वह राह देता भी है, तो अपनी शर्तों पर। दुनिया इस मसले का समाधान अब तक ढूंढ़ नहीं पाई है। ऐसे में, 10 नवंबर को दिल्ली में, और 11 नवंबर को इस्लामाबाद में अफगानिस्तान मसले पर जो बैठकें हुईं, उनके अलग-अलग पहलू स्वाभाविक थे, पर मकसद समान था कि अफगानिस्तान अब जिस दिशा में जा रहा है, उसका समाधान क्या है?

पहले चर्चा दिल्ली में हुई राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार स्तर की बैठक की। इसमें अमेरिका, चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे अहम देश शामिल नहीं हुए। मगर जो दुखियारे राष्ट्र थे और जिनको लग रहा था कि काबुल के बदलते घटनाक्रम का उन पर नकारात्मक असर पड़ेगा, वे सभी एकजुट हुए। इस बैठक के दो आयाम हैं। पहला, तमाम राष्ट्र अफगानों को मानवीय मदद पहुंचाने के हिमायती हैं। काबुल से यही खबरें आ रही हैं कि वहां बच्चों तक को खाना नहीं मिल पा रहा और परिवार असहाय हैं। इनको मदद पहुंचाने को लेकर बैठक में शामिल सभी राष्ट्र एकमत हैं।

बैठक की दूसरी वजह थी, क्षेत्रीय सुरक्षा। आज अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के अधीन जो कुछ हो रहा है, वह सुखद नहीं है। हालांकि, इसे तालिबानी नहीं, हक्कानी शासन कहना ज्यादा उचित होगा, और यह सभी जानते हैं कि हक्कानी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का अभिन्न अंग है। आईएसआई के अफसरान अफगानिस्तान में सुरक्षा से जुड़े तमाम विभागों से जुड़े हैं। नंगरहार प्रांत में तो जमात-उद-दावा के रंगरूटों को ट्रेनिंग भी दी जा रही है, जिनका निशाना कौन-कौन होगा, यह कोई अबूझ पहेली नहीं है। भारत तो स्वाभाविक तौर पर केंद्र में होगा, लेकिन ताजिकिस्तान भी 90 के दशक में तालिबान को भुगत चुका है। उज्बेकिस्तान को लेकर रूस की अपनी चिंताएं हैं। इस बदलते घटनाक्रम से नशे की तस्करी में इजाफा होने की आशंका भी मास्को को परेशान कर रही है।

रही बात, गुरुवार को पाकिस्तान में हुई बैठक की, तो इसमें अफगानिस्तान मसले से जुड़े तमाम खिलाड़ियों ने शिरकत की। चीन और रूस का बैठक में शामिल होना समझा जा सकता है, लेकिन अमेरिकी प्रतिनिधि का इस्लामाबाद पहुंचना समझ से परे है। तब तो और, जब अफगानिस्तान की दो दशक लंबी जंग में पाकिस्तान के कारण ही अमेरिकी फौज को हार का मुंह देखना पड़ा हो। बेशक ह्वाइट हाउस न चाहता हो कि 'दिल्ली डायलॉग' में वह ईरान के सामने आए, लेकिन कम से कम भारत के पक्ष में एक बयान तो जारी कर ही सकता था। नई दिल्ली हमेशा से अमेरिका की तरफदारी करती रही है, जबकि इस्लामाबाद उसके साथ परोक्ष जंग में भी मुब्तिला रहा। बावजूद इसके, अमेरिका ने पाकिस्तान से दोस्ती और भारत से दूरी का परिचय दिया। उसके इस रुख का अफगानिस्तान पर आगे क्या असर होगा, इसका पता तो बाद में चलेगा, लेकिन इसी कूटनीति ने अफगानिस्तान में उसकी लुटिया डुबोई है।

अफगानिस्तान के मामले में पाकिस्तान किस तरह से दुनिया को गुमराह कर रहा है, इसका एक ज्वलंत उदाहरण पिछले दिनों दिखा। दरअसल, भारत ने वहां 50 हजार टन गेहूं और मेडिकल सप्लाई भेजनी चाही थी, लेकिन पाकिस्तान ने ट्रकों को रास्ता नहीं दिया। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान अफगानिस्तान को राहत पहुंचाने की झूठी वैश्विक अपील कर रहे हैं। अगर उनकी कथनी और करनी एक होती, तो वह बेबस अफगान नागरिकों की मदद की भारतीय कोशिशों में रुकावट नहीं पैदा करते।

इस्लामाबाद बैठक के भी दो पक्ष हैं। एक पहलू तो विशुद्ध राजनीतिक है। पाकिस्तान और चीन की मंशा यही है कि तालिबान की नई सरकार की नीतियां उनके अनुकूल हों। चीन के शिनजियांग प्रांत के उइगर अलगाववादी अफगानिस्तान में पनाह पाते रहे हैं। चीन चाहता है कि तालिबान सरकार में ऐसा कतई न होने पाए। पाकिस्तान की चिंताएं आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को लेकर है, जिसे तालिबान से मदद मिल सकती है।

इस बैठक का दूसरा मकसद अफगानिस्तान पर नियंत्रण हासिल करना है। पाकिस्तान को यह डर भी है कि उसके यहां कहीं अफगान शरणार्थियों की आमद न बढ़ जाए। चूंकि पश्तून पाकिस्तान में आकर दुखी हैं। ऐसे में, अगर और शरणार्थी यहां आ गए, तो पाकिस्तान के लिए सुरक्षा का मसला खड़ा हो सकता है।

लिहाजा, सवाल यह है कि दिल्ली और इस्लामाबाद की बैठकों के बाद आखिर होगा क्या? पाकिस्तान पर न दुआ का असर होता है, न दवा का। अफगान नागरिकों पर हो रहे जुल्म से भी वह पसीज नहीं रहा है। वह खुद आग का दरिया बना हुआ है और दूसरों को भी उसमें बार-बार झुलसाता रहता है। यहां हमें इतिहास से भी थोड़ा सबक लेना चाहिए। 1947 में भारत के बंटवारे के साथ अंग्रेज पाकिस्तान के रूप में हमारे लिए ऐसी नकेल छोड़ गए, जो बार-बार हमें चुभती रही है। पाकिस्तान के साथ हमारी जो समस्या है, वह अब अफगानिस्तान के साथ भी पैदा हो सकती है। बताते हैं कि अफगानिस्तान में 70-75 हजार तालिबानी काडर हैं और तीन लाख के करीब अफगान सुरक्षा बल के जवान। चूंकि अफगानिस्तान को अपनी सुरक्षा के लिए बमुश्किल 50-60 हजार सैनिकों की ही जरूरत होगी। ऐसे में, तालिबानी लड़ाके और अफगान फौजी बेरोजगार हो जाएंगे या फिर आईएसआई के खिलौने। आईएसआई इनको भारत के खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए, अफगानिस्तान का बदलता घटनाक्रम भारत के लिए काफी अहम है। यह बदलाव क्षेत्र को कितना अस्थिर करेगा, इसका फिलहाल ठीक-ठीक विश्लेषण नहीं किया जा सकता।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साई मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एमएमआरडीए म्हाडा इमारत धोखाधड़ी कांड का कौन है मास्टरमाइंड

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। हमने पिछले अंक में एमएमआरडीए म्हाडा दलालों द्वारा किया गया करोड़ों की धोखाधड़ी का मामला की खबर प्रकाशित की गई है यह एमएमआरडीए म्हाडा इमारत को लेकर कुछ चौकानेवाले सनसनीखेज मामले सामने आए हैं इस संदर्भ में सूत्रों द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार एमएमआरडीए इमारत में जो मकान किराए पर यह हेवी डिपॉजिट पर उपभोक्ताओं को दिए जा रहे थे उसका लेनदेन का पूरा काम एजेंट फरहत नामी महिला द्वारा किया जाता था इस धोखाधड़ी के अंदर और अन्य दो सरगना के नाम सामने आ रहे हैं फातिमा और मन्नान मर्चेंट बताया जा रहा है मन्नान मर्चेंट यह शिब्ली नगर का ही रहवासी है और इसके ताबे में एमएमआरडीए के 50 मकान दिए गए जोकि हेवी डिपॉजिट पर या किराए पर देने के लिए रखा गया था यह गिरोह अपने काम में इतनी सक्रिय है एक मेंबर का काम ग्राहक लाना दूसरे का डमी ओनर खड़ा करके एग्रीमेंट बनाना और तीसरे का काम पैसों का लेनदेन करना यह गिरोह अपने काम में इतनी तीव्र गति से आगे बढ़ रहे थे जिन्होंने 2 महीने में एमएमआरडीए म्हाडा 24 मंजिला इमारत के आई विंग के सो मकान किराए पर और हेवी डिपॉजिट पर दे दिए और करोड़ों की हेरफेर कर दिया जिसका खामियाजा गरीबों को और इन लोगों द्वारा ठगी के शिकार हुए लोगों को भुगतना पड़ा मोटी रकम के साथ घर से सामान समेत बेघर होना पड़ा इन चीटर की वजह से पीड़ित लोग घर से बेघर घूम रहे हैं सवाल ये उठता है यह मकान की कंप्यूटराइज चाबी इन लोगों के पास कैसे आ रही है? जबकि एमएमआरडीए म्हाडा इमारत की चाबी ठाणे आस्थापना विभाग के सहायक आयुक्त महेश आहिरे के ताबे में रहती है फिर इन लोगों के पास यह चाबी कैसे आई? ठाणे आस्थापना विभाग के सहायक आयुक्त महेश आहिरे सवालों के कटघरे में आकर खड़े हो गए क्या करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का संबंध ठाणे मनपा प्रशासन के अधिकारियों से है या नहीं यह जांच का विषय है तो हम माननीय पालक मंत्री एकनाथ शिंदे जी से और कल्याण लोकसभा सांसद शशिकांत शिंदे तथा कलवा मुंब्रा के विधायक और राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड से निवेदन करते हैं इस करोड़ों की धोखाधड़ी मामले का गंभीरता से संज्ञान ले और इस धोखाधड़ी में लिप्त अधिकारी कर्मचारी अन्यथा कोई भी हो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें जो इमारत सरकार ने एमएमआरडीए म्हाडा द्वारा बनाई गई है उनके मकान पर सिर्फ उन लोगों को हक है जिनके मकान रस्ता रुंदीकरण में मनपा प्रशासन द्वारा तोड़े गए हैं जिन इमारतों को मनपा प्रशासन द्वारा अतिधोखेदायक घोषित किया है उन मकान मालिकों को इस म्हाडा के मकानों में पुनर्वासन के लिए दिया जाता है लेकिन बड़े अफसोस की बात है उन लोगों को मकान नहीं मिलते हुए जिनकी इमारतों को मनपा प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया वह लोग मारे मारे फिर रहे हैं उनकी जगह पर यह गिरोह उन मकानों को किराए और हेवी डिपॉजिट पर देखकर करोड़ों की ठगी कर रहा है।

प्रेम प्रंसग में करोड़पति बिजनेस मेन की बीवी ड्राइवर संग हुई फरार लोनावला-खंडाला घूमी, पैसे खत्म हुए तो घर वापस लौटी

रिपोर्टर/अरमान उलहक

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर से एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला प्रेम प्रसंग में अपने ड्राइवर को दिल दे बैठी और कुछ समय पहले अपने प्रेमी के साथ घर से सैतालीस लाख रुपये की बड़ी रकम लेकर फरार हो गयीथी, मंगलवार देर रात घर वापस लौट आई है महिला ने खजराना थाने पहुंच कर अपने बयान दर्ज कराए हैं बेवफा महिला का कहना था कि वह अपने पति के साथ रहकर जीवन यापन करना चाहती है वहीं महिला का पति भी उसे अब साथ में रखना चाहता है पुलिस इस मामले में चौतीस लाख रुपये पहले ही बरामद कर चुकी है महिला का प्रेमी ऑटो ड्राइवर अभी भी फरार है खजराना थाने के प्रभारी जयंत राठौड़ ने बताया कि तेरह अक्टूबर को खजराना इलाके के प्रॉपर्टी ब्रोकर की पत्नी 13 साल छोटे ऑटो ड्राइवर के साथ घर से 47 लाख लेकर भाग गई थी. प्रॉपर्टी ब्रोकर करोड़पति बताए जाते हैं। आरोपी द्वारा चौतीस लाख रुपये उसके दो दोस्तों को दे दिए गए थे ऑटो चालक के दोस्त रितेश ठाकुर और फुरकान से पुलिस ने यह रुपये पहले ही बरामद कर लिए थे। पुलिस ने महिला और ऑटो ड्राइवर की गिरफ्तारी के लिए कई जगह छापेमारी की थी लेकिन दोनों ही पुलिस के हाथ नहीं लगे थे मंगलवार देर रात थाने में खुद महिला पहुंची हैं महिला से प्रेमी तेरह साल छोटा था, इसके बावजूद भी वह प्यार में पड़कर ऑटो वाले के साथ भाग गई थी. महिला ने पुलिस को बताया कि पति उसे परेशान करता था इसलिए वह घर से भागी थी, लेकिन अब वह पति के साथ रहना चाहती है। पूरे मामले में पति भी अपनी पत्नी को साथ में रखना चाहता है। रुपये तो खत्म हो गए, जेवरात साथ ले आई है। पुलिस ने बताया है कि महिला अच्छे परिवार से है, वह अपने साथ जो जेवरात लेकर लेकर गई थी वह वापस लेकर आ गई है। महिला जो रुपये लेकर भागी थी, वह सभी खत्म हो चुके हैं पति भी कोई कानूनी कार्यवाही नही करना चाहता है जिससे पुलिस ने महिला को पति के सुपुर्द कर दिया है।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

दाऊद के गुर्गे की पत्नी ने पुलिस को......

रियाज की पत्नी ने पंड्या और पटेल की पहचान, जहां क्रिकेटर के तौर पर बताई है, वहीं शुक्ला को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) का पूर्व अध्यक्ष बताया है। अपनी अर्जी में उसने कोठारी के बारे में कोई ब्यौरा नहीं दिया है। उन्होंने एक मीडिया संस्थान को बताया कि वह सराफा कारोबारी है। उसने कहा कि मैं पुलिस के पास FIR दर्ज कराने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। मैंने सितंबर में अर्जी दी थी, लेकिन अब नवंबर हो चुका है। मैंने कई बार इस पर पुलिस अधिकारियों से जानकारी पाने की कोशिश की। मुझे इसके बदले में कुछ पैसे देने को कहा गया था, लेकिन मैं भ्रष्टाचार क्यों फैलाऊं? मैं अपनी जगह पर सही हूं। अपराधी तो वो लोग हैं। मुंबई पुलिस ने भी माना है कि एक अर्जी आई तो है, लेकिन उन्होंने कहा कि उनके पास फिलहाल कोई और ब्यौरा नहीं है। रियाज भाटी पर कथित तौर पर जबरन वसूली, जालसाजी और जमीन हथियाने के कई मामले दर्ज हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस प्रमुख परमबीर सिंह के खिलाफ रंगदारी की ऋकफ में भी उसका नाम दर्ज है। भाटी पर बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वझे के इशारे पर बार और रेस्तरां मालिकों से रंगदारी वसूलने का भी आरोप है। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने रियाज भाटी पर आरोप लगाया था कि वह दो पासपोर्ट के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया था और पूर्व मुख्यमंत्री के कहने पर उसे कुछ दिन बाद छोड़ दिया गया।

राज्य में डीजल-पेट्रोल की दरों.....

11 राज्यों में टैक्स कम किया है। इसके कांग्रेस शासित राज्य भी है। महाराष्ट्र पर पेट्रोल पर 24 फीसदी और डीजल पर 25 फीसदी वैट लगता है। इसके अलावा 9 प्रतिशत अतिरिक्त सेस है। अब बाकी राज्यों की तुलना में आप टैक्स 5 से 10 फीसदी कम क्यों नहीं कर रहे हैं। इसकी वजह यह है कि ये पैसे सोने का अंडा देने वाली मुर्गी के हैं। हम राज्य में कम से कम एक हजार जगहों पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। पाटिल ने कहा कि पता नहीं यह सरकार इतनी असंवेदशील क्यों है? एसटी कर्मचारियों के आंदोलन को कुचलने के लिए निजी बसें चलाई जा रही हैं। मेस्मा कानून के तहत नोटिस दिए जा रहे हैं। आप कहते हैं कि सरकारी कर्मचारियों को शामिल करने में समय लगेगा।

बलरामपुर में सलमान खुर्शीद का फूंका पुतला......

विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष गंगा शर्मा की अगुवाई में दर्जनों की संख्या में विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ता जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां कांग्रेस नेता एवं पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने सलमान खुर्शीद द्वारा लिखी गई विवादित पुस्तक 'Sunrise over Ayodhya Nationhood in our Times' को प्रतिबंधित करने की मांग करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी राम अभिलाष को सौंपा। आक्रोशित विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकताओं और पदाधिकारियों का गुस्सा यहीं शांत नहीं हुआ। उन्होंने कलेक्ट्रेट से निकलने के बाद नगर के सबसे व्यस्ततम चौराहे भगवतीगंज चौराहे पर इकट्ठा होकर कांग्रेस नेता और पूर्व कानून मंत्री सलमान खुर्शीद के पुतले को जलाया। इस दौरान विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकताओं ने कांग्रेस नेता के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष गंगा शर्मा ने बताया कि कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने जो किताब लिखी है, उसमें हिंदू संगठनों, साधु-संतों एवं सनातन धर्म को मानने वाले लोगों की तुलना जिहादी आतंकी संगठन आईएसआईएस एवं बोको हराम से की है। ऐसी पुस्तक को महज सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने के लिए लिखा गया है। जो सामाजिक दुष्प्रचार का हिस्सा बनेगी। ऐसी किताब को न सिर्फ भारत में अपितु पूरी दुनिया में प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है।

कंगना रनोट के 'भीख' वाले बयान पर बवाल......

एनसीपी नेता और महाराष्ट्र कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने अभिनेत्री कंगना रनोट के आजादी वाले बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि हम कंगना रनोट के बयान की कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है। केंद्र को उनसे पद्मश्री वापस लेना चाहिए और उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। विरोध के स्वार सिर्फ कांग्रेस-एनसीपी ही नहीं बीजेपी के अंदर भी सुनाई दिए। कंगना के इस बयान के बाद बीजेपी सांसद वरुण गांधी ने लिखा, कभी महात्मा गांधी जी के त्याग और तपस्या का अपमान, कभी उनके हत्यारे का सम्मान, और अब शहीद मंगल पाण्डेय से लेकर रानी लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का तिरस्कार। इस सोच को मैं पागलपन कहूं या फिर देशद्रोह? बता दें कि आप की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की सदस्य प्रीति शर्मा मेनन ने अभिनेत्री कंगना रनोट के खिलाफ मुंबई पुलिस से शिकायत कर मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। मेनन ने कहा, 'कार्रवाई की उम्मीद है। कंगना पर भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए, 504, और 505 के तहत कार्रवाई की जानी चाहिए।'

भीलवाड़ा में जिला अभिभाषक संस्था ने दीपावली स्नेह मिलन समारोह मनाया

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा के महासचिव चंद्रशेखर चतुर्वेदी ने बताया कि जिला अभिभाषक संस्था भीलवाड़ा द्वारा अधिवक्ता दीपावली स्नेह मिलन का आज दिनांक 12/11/2021 को आयोजन संस्था अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में किया गया। जिसमें 5 वर्ष की आयु में ब्लैक बेल्ट प्राप्त कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा भीलवाड़ा का नाम समूचेय भारत में रोशन करने वाली सुश्री आवृत्ति जैन का संस्था द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया और कार्यक्रम में अधिवक्ताओं द्वारा कविता पाठ एवं अन्य कार्यक्रम किए गए एवं एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी और एक दूसरे को माला पहनाकर मुंह मीठा कराया। अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौड़ ने बताया कि दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान न्यायाधिकारीगण व वरिष्ठ अधिवक्तागण का माला पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत मे कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समस्त अधिवक्ताओ का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में महासचिव चंद्रशेखर चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष अनिल कुमार शुक्ला, रेवेन्यू महासचिव सोभागमल कुमावत, सह सचिव भारत सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश सारस्वत, पुस्तकालय सचिव बालू लाल उपाध्याय, साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ता मोहनलाल असावा, भगवती लाल मुंदडा, रणवीर सिंह चुंडावत चंद्रप्रकाश नाहर, गणपत सिंह राणावत, मोहम्मद परिजन, राजेश शर्मा, पीरु सिंह गौड़, भीमराज कोली, गिरीश कौशिक, आजाद शर्मा एवं अन्य अधिवक्ता गण उपस्थित थे। मंच का संचालन कुणाल ओझा ने किया। उक्त जानकारी वरिष्ठ अधिवक्ता पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

सवाई माधोपुर ज़िला कलेक्ट्री में सुरक्षा के नाम पर ठनठनपाल

दोनों गेट पर सुरक्षाकर्मी नदारद

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा राजस्थान)। ज़िला सवाई माधोपुर के प्रशासनिक मुख्यालय कलक्टरी की सुरक्षा दिन तो दिन रात में भी राम भरोसे रहती हैं। परिसर के दो मुख्य द्वार हैं जो रात में दोनों ही खुले पड़े रहते हैं और तो और इन पर रात में एक भी सुरक्षाकर्मी तैनाथ नही होता हैं, इस बाबत हिंदुस्तान शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व दिल्ली हाई कोर्ट के वकील राजेन्द्रसिंह तोमर राजा भैया ने स्वयं रात को लिए गए फोटो सहित श्रीमान ज़िला जज, ज़िला कलेक्टर व जिला पुलिस अधीक्षक महोदय को लिखित शिकायतें की हैं। राजा भैया ने अपने द्वारा की शिकायत की प्रतियाँ ओर परिसर के फोटो देते हुए राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि रात वह रात लगभग सवा ग्यारा बजे दिल्ली से सवाई माधोपुर रेलवे स्टेशन पर आए और पैदल ही कलेक्टरी के पीछे स्थीत अपने निवास गणेशनगर बी जा रहे थे, जब वह कलेक्टरी गेटों के पास से गुजरे तो उन्होंने देखा की परिसर के दौनो मुख्य द्वार खुले पड़े थे और तो और इन पर कोई सुरक्षाकर्मी भी तैनाथ नही था, जबकि ज़िला न्यायालय के दोनों द्वार बंद थे। राजा ने बताया कि कलेक्टरी परिसर में ड़ीएम, एसपी, एडीम एएसपी, एसड़ीएम, ड़ीएसपी सहित आदि अधिकारियों

के कार्यालय तथा ज़िला कंज्यूमर कोर्ट,परिवार न्यायालय, पोक्सो न्यायलय व उनके रिकार्डरूम के साथ साथ अधिवक्ताओं के चैम्बर और सीटें हैं। दिन में भी इस परिसर के दोनों गेटों पर कोई सुरक्षा का इंतजाम नही होता है। बेरोकटोक कोई भी कही भी आता जाता रहता हैं, पर रात के समय ज़िला कलेक्टरी की इस तराह की लापरवाही और सुरक्षा में चूक समझ से परे हैं। अति सामवेदनशील परिसर होने के बावजूद यहाँ की सुरक्षा रात में सिर्फ.राम भरोसे रहती हैं जो कि कभी भी किसी बड़ी अप्रिय घटना घटित हो सकती हैं, और जिसकी भरपाई भी करना शायद मुश्किल होगा। शिकायत में उन्होंने तत्काल इस परिसर की सुरक्षा चाक चौबंद करने यहाँ दिन हैं रात में गेटों पर हथियार बंद सुरक्षाकर्मी तैनाथ करने व आवश्यकता ना होने पर रात को दोनों गेट बंद रखने की बाबत लिखा हैं। बड़ी अजीब बात यह हैं की यहाँ के किसी भी छोटे बड़े अधिकारी का ध्यान इस ओर नही गया, जबकि कहने को आए दिन न पुलिस व प्रशासन के छोटे बड़े अधिकारी बारी बारी से रात में गस्त करते हैं। ये सोचनीय विषय हैं कि वो खुद अपने ही मुख्य परिसर की सुरक्षा चूक नही देख पाए।

गांगलास में नेटवर्क नहीं आने से राशन नहीं मिलने से परेशान हैं ग्रामवासी

मुंबई हलचल ब्यूरो/भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आसींद उपखण्ड क्षेत्र के गांगलास गांव में पिछले 3 सालों से दूरसंचार के प्राइवेट कंपनियों की लापरवाही से 10 गांव के लोग नेटवर्क की समस्याओं से झुंझ रहे हैं, लेकिन बार-बार प्रशासन को शिकायत करने के बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया हैं। गांगलास के युवा शिवराज शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि ग्रामीण अपना काम धंधा छोड़कर राशन लेने के लिए राशन की दुकान पर घंटों लाईन में खड़े रहते हैं, लेकिन नेटवर्क नहीं आने पर बिना राशन लिए ही वापस लौटना पड़ता हैं। राशन ही नहीं बल्कि ई मित्र पर चिकित्सा, शिक्षा, कई विभागों के काम समय पर नहीं होते हैं!जिससे लोगों की समस्या बड रही किराना व्यापारी मुकेश शर्मा ने बताया कि उदलपुरा खुमानपुरा पाटियोका खेडा करियाला भीलो का खेडा गांगलास आस पास के सभी कस्बो मे नेटवर्क संबंधित काम हो तो दूरदराज जाकर अपना काम निपटाना पड़ता है लोगों को घर पर आने के बाद मोबाइल काम बन्द कर देता है!इसके बाद आवश्यक कार्य हो तो लोगों को छत पेड़ पौधों पर चढ़कर मोबाइल उपयोग लेना पड़ रहा हैं। ग्रामीणों ने शुभम पोर्टल शिकायत दर्ज करा कर शीघ्र ही शिकायत का निवारण करवाने की माग की है।

जयपुर में वसीम रिजवी की पुस्तक का विरोध, कार्यवाई की मांग, ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान) जयपुर में शिया समुदाय ने वसीम रिजवी द्वारा लिखी गई पुस्तक का विरोध प्रदर्शन किया हैं। वसीम रिजवी जो के उत्तर प्रदेश शिया वक्फ बोर्ड का पूर्व चेयरमैन रहा है उस व्यक्ति ने मुस्लिम समुदाय के पवित्र पैगंबर की जीवनी पर आधारित पुस्तक को प्रकाशित किया है, जिसमें पवित्र पैगंबर की जीवनी को गलत तरीके से दशार्या गया है, और अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया हैं। जयपुर में शिया समुदाय ने शिया जामा मस्जिद से पैदल मार्च कर सुभाष चौक थाने में ज्ञापन दिया, तथा पुस्तक को बेन कराने वह वसीम

रिजवी को गिरफ्तार करने के लिए एफआईआर दर्ज कराई। इस प्रदर्शन में शिया समुदाय के लोगों ने वसीम मुदार्बाद के नारे लगाए, और गिरफ्तारी की मांग करते हुए जयपुर कमिश्नर को ज्ञापन सौंप व गिरफ्तारी की मांग की तथा सख्त कार्रवाई करने की अपील की। उक्त जानकारी जयपुर के युवा पत्रकार मोहम्मद अजहरुद्दीन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

कोरोना वैक्सीन लगवाते ही किस्मत चमकी, एक झटके में 7 करोड़ की मालकिन बनी महिला

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

ऑस्ट्रेलियाई, नई दिल्ली। महिला ने वैक्सीन के लिए किया था रजिस्ट्रेशन, वैक्सीन के बदले इनाम देने की थी योजना।महिला की लग गई लॉटरी कोरोना संकट के बीच दुनियाभर में वैक्सीनेशन अभियान जारी है। इसी कड़ी में एक ऑस्ट्रेलियाई महिला ने भी कोरोना वैक्सीन का शॉट लिया। वैक्सीन लगवाने के बाद उसकी किस्मत बदल गई और वो रातोरात करोड़पति बन गई। आइए जानते हैं कैसे। 'डेली मेल' के मुताबिक, मिलियन डॉलर वैक्स लॉटरी की तरफ से वैक्सीन लगवाने पर लोगों को इनाम देने का ऐलान किया गया था। जिसके लिए करीब 30 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। इसमें 25 वर्षीय जोआन झू (Joanne Zhu) नाम की महिला की लॉटरी (Lottery) लग गई। महिला ने एक मिलियन डॉलर (7.28 करोड़ रुपये) की लॉटरी जीती। जोआन झू ने लाखों लोगों को पीछे छोड़ते हुए एक मिलियन डॉलर का बंपर इनाम अपने नाम कर लिया। लॉटरी के अधिकारियों ने बताया कि वैक्सीनेशन ड्राइव को और तेज करने के लिए उनकी तरफ से वैक्सीन लगवाने लोगों को इनाम दिया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वैक्सीनेशन शुरू होने के कई महीनों बाद भी देश में लोग कोरोना वैक्सीन लगवाने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे थे। इसी की वजह से मिलियन डॉलर वैक्स ने लॉटरी वाली योजना निकाली, ताकि लोग वैक्सीनेशन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें। लॉटरी योजना का असर दिखा और कुछ ही दिनों में लाखों लोगों वैक्सीन के रजिस्ट्रेशन करवाया। लेकिन अंत में लॉटरी का इनाम लॉटरी जोआन झू के हाथ लगा। कंपनी ने 100 और लोगों को भी इनाम के तौर पर गिफ्ट दिए। लॉटरी अधिकारी की आई कॉल तो खुशी से झूम उठीं जोआन बताया गया कि जोआन झू वैक्सीन का रजिस्ट्रेशन करवाकर अपने काम में व्यस्त हो गईं थीं। लेकिन बीते शुक्रवार को उन्हें अचानक से लॉटरी अधिकारी की कॉल आई, तो वो फोन नहीं उठा सकीं। दोबारा जब उन्होंने कॉल रिसीव की और लॉटरी जीतने की खबर सुनी तो खुशी से झूम उठीं। मध्यवर्गीय परिवार से आने वाली जोआन अभी लॉटरी के पैसों से शॉपिंग कर रही हैं। वो कुछ पैसे निवेश भी करेंगी और पैरेंट्स के लिए एक घर लेंगी।

त्रिपुरा सरकार के खिलाफ हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया मुंबई की जानिब से मुंबई बंद हुआ सफल

संवाददाता शोएब म्यानुंर मुंबई

त्रिपुरा सरकार ने इस्लाम के धर्मगुरु हजरत मोहम्मद पैगंबर साहब के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर आज मुंबई भींडी बाजार के नल बाजार हजरत शाह शराफत चौक में हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया मुंबई युनिट की जानिब से मुंबई बंद का ऐलान किया गया और शाह शराफत चौक में प्रोटेस्ट भी किया गया। नल बाजार और पुरे मुंबई की सभी फ्रुट वाले की लारियां, होटेल, रेस्टोरेंट, के साथ सभी लोगों ने इस बंद में हिस्सा लिया और त्रिपुरा सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हुए मोदी सरकार से निवेदन किया गया की त्रिपुरा सरकार के खिलाफ जल्द से जल्द कोई कार्रवाई की जाए। लब्बैक, लब्बैक, लब्बैक या रसुलल्लाह के नारों से गूंज उठा शाह शराफत चौक, आज इस मौके पर हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया मुंबई युनिट के हाजी उस्मान घड़ियाली, डॉक्टर ईस्माइल कुरेशी, अब्दुल अजीज भाई सांढा, मुकिम सकलैनी, अनीस कुदिया, अब्दुल जलिल भाई सकलैनी , सिराज भाई जरिवाला, सेहजाद कुरेशी, के साथ दिगर सकलैनी मौजूद रहे और और इस प्रोटेस्ट को कामयाब बनाया गया।

मुंब्रा में शांतिपूर्वक तरीके से कामयाब रहा बंद

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 12 नवंबर शुक्रवार को मुंब्रा में शांतिपूर्वक तरीके से बंद देखने को मिला दरअसल यह बंदी करण पूरे महाराष्ट्र में त्रिपुरा के फसाद को और तहहफ्फूजे नामिसे रिसालत से नाराज होकर सुन्नी जमात की तंजीम रजा अकैडमी की तरफ से यह एक दिन का बंद घोषित किया गया इस बंद के संदर्भ में यह बताया जा रहा है त्रिपुरा के मुसलमानों पर जुल्म और अत्याचार किया जा रहा है मस्जिदों में तोड़फोड़ और जगह-जगह आगजनी और मुसलमानों पर शारीरिक व मानसिक यातनाएं विश्व हिंदू परिषद द्वारा दी जा रही है और वहां की निकम्मी सरकार से मुसलमानों को किसी तरह का कोई भी समर्थन नहीं दिया जा रहा वहां की सरकार की जुल्म और जातियों को देखते हुए मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार को मद्देनजर रखते हुए सुन्नी जमात की तंजीम रजा अकैडमी ने वहां की सरकार को जगाने के लिए और मुसलमानों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए और विश्व हिंदू परिषद पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरे महाराष्ट्र में एक दिन की बंदी की घोषणा कर दी पूरे महाराष्ट्र में यह बंद कामयाब होता हुआ नजर आया ऐसे ही महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंतर्गत आने वाला मुंब्रा शहर मैं भी बंदी शांतिपूर्वक देखने को मिली सुबह से पूरे मुंब्रा शहर में एक भी दुकानें खुलती हुई नजर नहीं आई मानो ऐसा व्यतीत हो रहा था जैसे कर्फ्यू लग गया हो गौरतलब बात यह है इस बंदी के अंदर मुसलमान के साथ हिंदू क्रिश्चियन समुदाय के लोगों ने भी इस बंद में अपनी भूमिका निभाई और यह साबित कर दिया मुंब्रा शहर भाई चारे का शहर है जहां पर जातिवाद नाम का चिन्ह भी नजर नहीं आएगा सभी राजनीतिक दलों ने बंद का स्वागत किया और बंदी को कामयाब बनाया आज यह बंदी ने यह पूरे महाराष्ट्र में यह साबित कर दिया कि जब भी मुसलमानों पर कोई भी आपदा आएगी तो हिंदू मुसलमान मिलकर इसका सामना करेंगे दूसरी ओर वसीम रिजवी नामक शैतान ने हुजूर करीम सल्लल्लाहो ताला अलेही वसल्लम की शान में गुस्ताखी कर के सभी मसलक सिया सुन्नी अहले हदीस जमाती लोगों के दिलों को ठेस पहुंचाने का काम किया है और इसी के चलते सभी धार्मिक धर्मगुरुओं ने मिलकर मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दादाहीरे के चोरे को ज्ञापन देकर खबीस वसीम रिजवी पर एफ आई आर दर्ज करने की मांग की है और इन सभी मसलक के लोगों ने कहां हमें यकीन है की जल्द से जल्द मुंब्रा पुलिस इस शैतान पर एफ आई आर दर्ज करेगी

भीलवाड़ा में (कलाल) समाज ने मनाई कुलदेवता श्री अर्जुन देव जी की जयंती

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। कलाल समाज के कुलदेवता क्षत्रिय राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की जयंती संपूर्ण देश में कलाल समाज द्वारा बड़े हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई हैं। युवा दिनेश कुमार सुवालका (भटेड़ा) ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि भीलवाड़ा में अखिल राजस्थान सुवालका संघ ट्रस्ट भीलवाड़ा चित्तौड़गढ़ राजसमंद के तत्वाधान में आजाद नगर भीलवाड़ा में स्थित सामाजिक भवन सुवालका छात्रावास में ट्रस्ट के अध्यक्ष लोकेश सुवालका के सानिध्य में कुलदेवता सहस्त्रबाहु अर्जुन देव जी की तस्वीर के आगे दीप प्रज्वलित कर आरती कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई। प्रवक्ता गौरव सुवालका ने बताया कि सुवालका छात्रावास में समाज अध्यक्ष लोकेश सुवालका व अखिल भारतीय कलचूरी महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री डा. तेजराज मेवाड़ा ने समाज के कुलदेवता भगवान सहस्त्र बाहू अर्जुन के बारे में समाज के लोगों को जानकारी दी। तत्पश्चात सुवालका छात्रावास से डांगी फैक्ट्री पुराना बस स्टेण्ड के समीप स्थित सहस्त्रबाहू अर्जुन सर्किल तक विशाल वाहन रैली निकाली गई। सर्किल पर नगर परिषद सभापति राकेश पाठक एवं पार्षद राजेन्द्र पोरवाल द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन मनीष सुवालका (बसन्त विहार) व राजेन्द्र सुवालका (भुणास) द्वारा किया गया। इस दौरान भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ, राजसमन्द से कई समाज के लोगों ने इस समारोह में भाग लिया।

द ह्यूमन योग फाउंडेशन ने शुभ दिवस पर शिशु संदीपा कार्यक्रम का आयोजन किया

28 अक्टूबर, 2021 के इस शुभ दिन पर, जो 677 वर्षों के बाद आया है, मुंबई' ने 'द ह्यूमन योगा फाउंडेशन (THFY) वर्ली, मुंबई और 'श्री विश्व शांति पादुकाले ट्रस्ट' के बहुमूल्य समर्थन के साथ 'डिवाइन स्पार्क ने दत्ता मंदिर, जोगेश्वरी (पश्चिम) में बच्चों के लिए 'शिशुसंदीप' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चे और 30 लोग मौजूद थे, जो THFY के सीनियर योग शिक्षक संजय सिंह और सुयोध शेट्टी द्वारा लिए गए प्राणायाम और ओम जाप के एक सत्र के साथ शुरू हुआ। शिशु संदीपा कार्यक्रम मेंबच्चों को स्वामी विवेकानंद से परिचित कराया गया और उन्हें दैवीय शक्तियों और आध्यात्मिकता के बारे में सिखाया गया। डिवाइन स्पार्क सदस्यों द्वारा बच्चों के लिए एक छोटा सामान्य ज्ञान सत्र भी लिया गया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को मिठाई और भोजन का वितरण किया गया। यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी क्योंकि बच्चों ने इसका भरपूर आनंद लिया और योग गुरु राधेश्याम जयस्वरजी के विशेष मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यूपी में निमोनिया का कहर

हर साल छीन रहा 30 हजार मासूमों की सांसें...

लखनऊ। यूपी में निमोनिया ने कहर बरपाया हुआ है। हर साल करीब 30 हजार से अधिक मासूमों की सांसें छीन रहा है। करीब तीन साल पहले यह आंकड़ा 35 से 40 हजार था। निमोनिया से बचाव के टीके से कुछ सुधार हुआ है लेकिन अभी भी 1000 जीवित बच्चों में तीन से चार की मौत निमोनिया से हो रही है।

कल शुक्रवार को निमोनिया जागरूकता दिवस था। प्रदेश में हर साल करीब 57 लाख बच्चों का जन्म हो रहा है। पांच साल से कम उम्र के तकरीबन 30 हजार बच्चों की मौत निमोनिया से हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि काफी बच्चे अपना पहला जन्मदिन भी नहीं मना पाते हैं। केजीएमयू बाल रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. शैली अवस्थी ने बताया कि निमोनिया से बचाव की वैक्सीन सरकारी अस्पतालों में मुफ्त लगाई जा रही है। इससे काफी हद तक मासूमों को बचाने में कामयाबी मिल रही है।

कुपोषित बच्चे होते हैं आसान शिकार

डॉ. शैली अवस्थी ने बताया कि बच्चों का समय से टीकाकरण करवाकर निमोनिया के खतरों से बचा सकते हैं। निमोनिया का टीका न्यूमोकॉकॉल कोन्जुगेट है। यह टीका डेढ़ माह, ढाई माह, साढ़े तीन माह और 15 माह में लगाया जाता है। उन्होंने बताया कि कुपोषण के शिकार बच्चों को निमोनिया आसानी से चपेट में ले लेता है। ऐसे बच्चों में रोगों से लड़ने की ताकत कम होती है।

बच्चों सर्दियों में रखें खास ख्याल

डफरिन अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सलमान खान ने बताया कि सर्दियों में जरा सी चूक से बच्चे निमोनिया की गिरफ्त में आ सकते हैं। छह माह तक बच्चों को मां के दूध के अलावा कुछ भी बाहरी चीज न दें। छह माह पूरे होने के बाद स्तनपान के साथ ऊपरी आहार देना शुरू करें। इससे उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित होती है। वह बीमारियों की जद में आने से बच सकते हैं।

बच्चों के सर्दी-जुकाम को गंभीरता से लें

बलरामपुर अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र सिंह बताते हैं निमोनिया किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकता है। यह सबसे ज्यादा पांच साल तक के बच्चों को प्रभावित करता है। निमोनिया फेफड़ों में होने वाला एक संक्रमण है। जो बैक्टीरिया, फंगस व वायरस से होता है। इससे फेफड़ों में सूजन आ जाती है। उसमें तरल पदार्थ भर जाता है। सर्दी-जुकाम के लक्षण बहुत कुछ मिलते-जुलते हैं।

ये बरतें सावधानी

-छोटे बच्चों को छूने से पहले हाथों को साबुन से धोएं
-गुनगुने तेल से शिशु को मालिश करें
-खांसते और छींकते समय मुंह पर हाथ रखें। इस्तेमाल टिशू को तुरंत डिस्पोज करें
-प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करें, एक हेल्दी लाइफस्टाइल को अपनाएं

प्रेम प्रंसग में करोड़पति बिजनेसमैन की बीवी ड्राइवर संग हुई फरार

लोनावला-खंडाला घूमी, पैसे खत्म हुए तो घर वापस लौटी

रिपोर्टर/अरमान उलहक

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर से एक अजीबोगरीब प्रकरण सामने आया है इंदौर के खजराना थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला प्रेम प्रसंग में अपने ड्राइवर को दिल दे बैठी और कुछ समय पहले अपने प्रेमी के साथ घर से सैतालीस लाख रुपये की बड़ी रकम लेकर फरार हो गयीथी,मंगलवार देर रात घर वापस लौट आई है महिला ने खजराना थाने पहुंच कर अपने बयान दर्ज कराए हैं।

वेबफा महिला का कहना था कि वह अपने पति के साथ रहकर जीवन यापन करना चाहती है वहीं महिला का पति भी उसे अब साथ में रखना चाहता है पुलिस इस मामले में चौतीस लाख रुपये पहले ही बरामद कर चुकी है महिला का प्रेमी ऑटो ड्राइवर अभी भी फरार है।

खजराना थाने के प्रभारी जयंत राठौड़ ने बताया कि तेरह अक्टूबर को खजराना इलाके के प्रॉपर्टी ब्रोकर की पत्नी 13 साल छोटे ऑटो ड्राइवर के साथ घर से 47 लाख लेकर भाग गई थी। प्रॉपर्टी ब्रोकर करोड़पति बताए जाते हैं। आरोपी द्वारा चौतीस लाख रुपये उसके दो दोस्तों को दे दिए गए थे ऑटो चालक के दोस्त रितेश ठाकुर और फुरकान से पुलिस ने यह रुपये पहले ही बरामद कर लिए थे। पुलिस ने महिला और ऑटो ड्राइवर की गिरफ्तारी के लिए कई जगह छापेमारी की थी लेकिन दोनों ही पुलिस के हाथ नहीं लगे थे मंगलवार देर रात थाने में खुद महिला पहुंची हैं।

महिला से प्रेमी तेरह साल छोटा था, इसके बावजूद भी वह प्यार में पड़कर ऑटो वाले के साथ भाग गई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि पति उसे परेशान करता था इसलिए वह घर से भागी थी, लेकिन अब वह पति के साथ रहना चाहती है। पूरे मामले में पति भी अपनी पत्नी को साथ में रखना चाहता है। रुपये तो खत्म हो गए, जेवरात साथ ले आई है।

पुलिस ने बताया है कि महिला अच्छे परिवार से है, वह अपने साथ जो जेवरात लेकर लेकर गई थी वह वापस लेकर आ गई है। महिला जो रुपये लेकर भागी थी, वह सभी खत्म हो चुके हैं पति भी कोई कानूनी कार्यवाही नही करना चाहता है जिससे पुलिस ने महिला को पति के सुपुर्द कर दिया है।

दरभंगा पुलिस की कोताही का खामियाजा भुगत रहा इजरा का साकिब

इंश्योरेंस लाभ के लिए कार्यालयों का काट रहा चक्कर

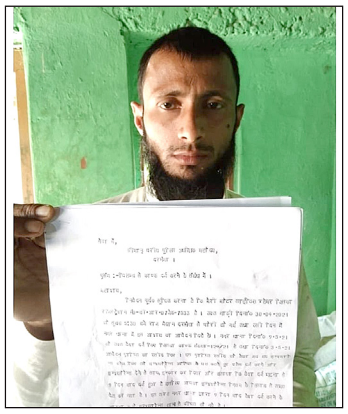

संवाददाता

मधुबनी। दरभंगा पुलिस की कोताही के कारण मधुबनी जिला के इजरा गांव निवासी मो. साकिब इंश्योरेंस की रकम लेने के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है। इस संबंध में इजरा गांव निवासी मो. साबिक ने दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है। मो. साबिक द्वारा वरीय पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि मेरी बाईक ग्लेमर संख्या-बीआर-07 जेड-7533 है। उक्त बाईक की चोरी पिछले 30 अप्रैल 2021 को दरभंगा नगर थाना क्षेत्र के राज मैदान से चोरी हो गई थी। जिस संबंध में हमने उसी दिन 30 अप्रैल 2021 को नगर थाना को लिखित आवेदन देकर बाईक चोरी की सूचना दी। परन्तु नगर थाना पुलिस ने करीब एक सप्ताह बाद 09 अप्रील 2021 को प्राथमिकी संख्या-124/21 दर्ज किया। तथा मुझे थाना द्वारा आवेदन की प्राप्ति रसीद 03 मई 2021 को दिया गया। जिस प्राप्ति रसीद को लेकर हम जब इंश्योरेंस कार्यालय गए। जिसके बाद इंश्योरेंस कार्यालय द्वारा मुझे यह कह कर वापस कर दिया गया कि चोरी की घटना के दिन ही प्राथमिकी दर्ज होती तो आपको इंश्योरेंस की रकम मिलती। क्योंकि प्राथमिकी 9 दिनों बाद दर्ज किया गया है। समय प्राथमिकी दर्ज नही होने से आपको इंश्योरेंस का लाभ नही मिल पाएगा। आखिर में मो. साकिब ने दरभंगा के वरीय पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है कि अपने स्तर से जांच कर मुझे इंश्योरेंस का लाभ दिलाने की कृपा की जाए।

अब सवाल उठता है कि पुलिस की कोताही के कारण बाईक चोरी की प्राथमिकी समय दर्ज नहीं की गयी। जिस कारण मो. साकिब को इंश्योरेंस का लाभ नही मिल पा रहा है, जिसका जिम्मेदार कौन होगा?

डेंगू होने पर मरीजों के लीवर पर भी पड़ रहा असर

इस बार डेंगू शुरूआती दिनों में ही लिवर की सेहत पर असर डाल रहा है। डॉक्टरों को अभी तक इसकी वजह पता नहीं लग सकी है। डॉक्टरों का कहना है कि पहले डेंगू होने के पांच से छह दिन बाद गंभीर बीमार होने पर लिवर के एंजाइम बढ़े हुए नजर आते थे लेकिन अब शुरूआती दो दिनों में ही लिवर एंजाइम पर असर पड़ रहा है। इस बार डेंगू का निशाना लिवर और पैंक्रियाज पर है। डॉक्टरों ने बताया कि सिर्फ सीबीसी नहीं, बल्कि लिवर के एंजाइमों की भी जांच कराएं। एम्स के मेडिसिन विभाग के डॉ. अरविंद कुमार ने कहा कि इस बार डेंगू का बुरा असर देखने को मिल रहा है। अधिकतर मामले में यह गंभीर हो रहा है और लिवर में गड़बड़ी हो रही है। पहले जब डेंगू होता था तो तीन-चार दिन तक मरीज गंभीर बीमार नहीं होता था। इसलिए जरूरी है कि मरीज बुखार आने पर पहले-दूसरे दिन ही डॉक्टर को दिखाएं।

इस स्थिति में तुरंत अस्पताल जाएं

डॉक्टर के अनुसार, गंभीर लक्षणों में बेहोशी होना, सांस लेने में तकलीफ, नाक और मसूड़ों से खून आना, दस्त व उल्टी में खून आना शामिल हैं। ये लक्षण महसूस होते ही मरीज को बिना देर किए अस्पताल में भर्ती होकर इलाज करवाना चाहिए। डॉक्टर ने कहा कि समय पर इलाज से लीवर, किडनी और दूसरे अंगों पर डेंगू के असर को रोका जा सकता है।

अस्पतालों में तेज बुखार के साथ आ रहे मरीज

आकाश अस्पताल के गैस्ट्रो विभाग के प्रमुख डॉक्टर सुधीर सहरा के मुताबिक, इस साल लीवर पर डेंगू का असर देखने को मिल रहा है। मरीज तेज बुखार के साथ आ रहे हैं। प्लेटलेट्स तो कम हो ही रहे हैं, साथ ही मरीजों के पैंक्रियाज में सूजन मिल रही है। पेट, लंग्स और गाल ब्लेडर में पानी भरने के लक्षण तो आम हैं ही।

कोरोना से ठीक हुए लोगों को टीबी ने घेरा

कोरोना से उबरे लोगों में टीबी की बीमारी सामने आ रही है। दूसरी लहर के बाद बहुत से ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचे। इनमें ज्यादातर ऐसे लोग टीबी से ग्रसित हुए जिनका अस्पताल में लंबे समय तक कोरोना का उपचार चला था। कुछ ऐसे भी थे, जिन्हें कोरोना होने के बाद उनकी टीबी की बीमारी फिर से उभर आई।

शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल के श्वसन रोग विभाग के निदेशक डॉ. विकास मौर्या ने बताया कि कोरोना से ठीक होने वाले दस मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई थी। इनमें तीन मरीजों का कोविड का लंबे समय तक आईसीयू में उपचार चला था। तीन ऐसे थे जिन्हें करीब दस साल पहले टीबी हुआ था। लेकिन कोरोना होने के बाद पुरानी बीमारी फिर उभर आई।

ऐसे करें बचाव

- कोरोना से ठीक होने के बाद संतुलित आहार जरूर लें।
- खान-पान की चीजों में प्रोटीन को जरूर शामिल करें।
- फेफड़ों को बेहतर बनाने वाले शारीरिक व्यायाम करें।
- योग-ध्यान को अपनाएं।

ये थे कारण

कोविड से ठीक होने के एक महीने बाद भी काफी मरीजों को टीबी हुआ।

जानें लक्षण

- वजन का कम होना
- शाम के समय हल्का बुखार महसूस करना
- खांसी का बने रहना
- मुंह से खून आना
- भूख कम लगना

100 में से छह मरीज होते थे टीबी के

इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर के इंटरनल मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ डॉ. राजकुमार का कहना था कि ओपीडी में पोस्ट कोविड के 100 मरीजों में से छह में टीबी होने की पुष्टि की दर रही है।

20 से लेकर 65 वर्ष वाले शामिल

अपोलो अस्पताल के श्वसन रोग विभाग के डॉ. राजेश चावला ने बताया कि उन्होंने कोरोना के बाद टीबी होने वाले करीब नौ मरीजों का उपचार किया। स्टेरॉयड का अधिक सेवन और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने की वजह से इन मरीजों को टीबी हुआ था। टीबी वाले मरीजों की उम्र 20 से लेकर 65 वर्ष के बीच थी। कोविड से ठीक होने के एक महीने बाद भी काफी मरीजों को टीबी हुआ।

हाथों को सुंदर बनाने के लिए अपने हाथों पर मेहंदी लगाना एक पुराना तरीका है। यह त्योहारों और शादियों सहित हर खास मौके पर होता है। इन दिनों ऐसी कोई महिला नहीं मिलेगी जिसके हाथों में मेंहदी न हो। ऐसा माना जाता है कि मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, महिला को उसका पति उतना ही ज्यादा प्यार करता है।

नेल्स पर लगी मेहंदी से पाना चाहती हैं छुटकारा, इन तरीकों को करें फॉलो

मेहंदी का रंग कुछ ही दिनों में खत्म हो जाता है, हालांकि, यह आपके नाखूनों पर एक दाग छोड़ सकता है जो बेहद खराब लगता है। तो जानते हैं, नाखूनों में लगी मेंहदी से छुटकारा पाने के तरीके दिए।

1) जैतून का तेल और नमक

आपके नाखूनों से मेंहदी हटाने के लिए आप जैतून का तेल और नमक का इस्तेमाल करें। एक छोटी कटोरी में दो बड़े चम्मच जैतून का तेल और नमक मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद। रुई की मदद से घोल को अपने नाखूनों पर धीरे से रगड़ें।

2) नमक

नमक का इस्तेमाल बहुत लंबे समय से सफाई एजेंट के रूप में किया जाता रहा है। इसके लिए आपको बस एक कटोरी खारे पानी की जरूरत है। फिर इसमें हाथों को डिप करें। लगभग 20 मिनट बाद इस बाहर निकालें। खारे पानी से मेंहदी के जिद्दी दाग बन जाएंगे, तो इससे घुलने में आसानी होगी। एक बार हो जाने के बाद आप मॉइस्चराइजर लगाएं।

3) गर्म पानी

मेंहदी के दाग हटाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। अगर आपके घर में और कुछ नहीं है जो काम करेगा, तो गर्म पानी का इस्तेमाल करें। हालांकि, ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल न करें। इसके लिए अपने नाखूनों को 20 मिनट के लिए पानी में डुबोएं और इससे दाग-धब्बे नर्म हो जाएंगे और मेंहदी निकल जाएगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

भोली भाली तमन्ना

फिल्म बाहुबली में तमन्ना भाटिया की खूबसूरत अदाकारी का दर्शक लुत्फ ले ही चुके हैं। अब तमन्ना एक और फिल्म में नजर आनेवाली हैं। इस फिल्म का नाम है भोला शंकर। यह फिल्म चिरंजीवी की है। फिल्म का निर्देशन रमेश कर रहे हैं। फिल्म आगामी १५ नवंबर को फ्लोर पर चली जाएगी। चिरंजीवी के साथ तमन्ना की यह दूसरी फिल्म है। भोला शंकर में तमन्ना के साथ कीर्ति सुरेश भी नजर आएंगी। फिल्म चिरंजीवी की है तो वह होंगे ही। ऐसे में इस दिग्गज के सामने तमन्ना अपनी भोली-भाली अदाओं से दर्शकों को कितना इंप्रेस कर पाएंगी यह तो वक्त ही बताएगा...

शाहिद कपूर ने शुरू की अली अब्बास जफर की अगली फिल्म की शूटिंग

बॉलिवुड ऐक्टर शाहिद कपूर ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। शाहिद की यह अगली फिल्म डायरेक्टर अली अब्बास जफर के डायरेक्शन में बनेगी और जफर ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर यह न्यूज फैन्स को बताई है। यह फिल्म 2011 में रिलीज हुई मशहूर फ्रेंच फिल्म 'न्युइ ब्लांश' का हिंदी रीमेक होगी। इस फिल्म के तमिल और तेलुगू रीमेक पहले ही बन चुके हैं। अली अब्बास जफर ने अपनी और शाहिद की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'चलिए इसे शुरू करते हैं शाहिद कपूर, क्या आप बंदूकों और गैंग्स के पागलपन से भरे सफर के लिए तैयार हैं।' फिल्म में शाहिद कपूर एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में होंगे जो ड्रग्स का धंधा करने वालों के पीछे पड़ा हुआ है। वर्क फ्रंट की बात करें तो शाहिद पिछली बार अपनी सुपरहिट फिल्म 'कबीर सिंह' में कियारा आडवाणी के साथ नजर आए थे। अब वह अपनी अगली फिल्म 'जर्सी' के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में शाहिद के साथ मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। फिल्म में शाहिद कपूर एक क्रिकेटर के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा शाहिद जल्द ही राज-डीके की वेब सीरीज से डिजिटल करने जा रहे हैं। इस खन्ना और विजय सेतुपति में नजर आने वाले हैं।

अलाया की तस्वीरों ने मचाया बवाल

बॉलीवुड की जानी मानी एक्ट्रेस पूजा बेदी इंडस्टी की उन स्टार्स की लिस्ट में शामिल हैं जो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। पूजा बेदी की तरह ही उनकी बेटी अलाया एफ भी इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। अलाया ने फिल्म 'जवानी जानेमन' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उन्होंने एक्टर सैफ अली खान की बेटी का रोल निभाया था। अलाया अपनी मां पूजा बेदी की तरह ही रियल लाइफ में काफी बोल्ड हैं। आए दिन वह अपनी हॉट एंड सेक्सी तस्वीरें शेयर कर फैंस के बीच शेयर कर सुर्खियां बटोरती रहती हैं। इसी बीच अलाया की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस तस्वीर में उनका लुक देख फैंस काफी हैप्पी नजर आ रही हैं। अलाया एफ की वायरल हो रही तस्वीर को फेमस सेलिब्रिटी फोटोग्राफर मानव मंगलानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया है। हाल ही में अलाया को स्पॉट किया गया है। इस दौरान अलाया का बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। तस्वीर में आप देख सकते हैं कि अलाया ने इस दौरान ब्लैक कलर की लोवर के साथ ब्लैक कलर का ही ब्रालेट और मैचिंग जैकेट पहना हुआ है। वहीं उनके बाल खुले हुए हैं और उनके हाथा में एक पानी की बॉटल नजर आ रही है। इस तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। आपको बता दें कुछ वक्त पहले अलाया एफ अपनी नाक की सर्जरी को लेकर चर्चा में आई थीं।